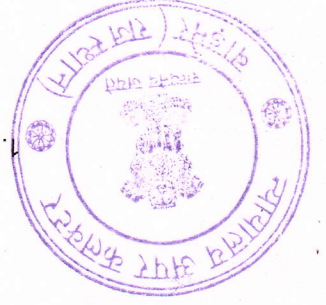


अपर कलेक्टर बाड़मेर (प.डी.एम.)



निर्णय
दिनांक 14.6.2017

संक्षेप में प्राथमिकता के आवेदन पत्र के तथ्य इस प्रकार हैं कि विप्रार्थी संख्या 01 से 05 के पिता एवं विप्रार्थी संख्या 06 के पति मादाराम पुत्र सकाराम जालि भील को ग्राम होटल पटवार मण्डल बीदोजा के खसरा नंबर 273 नये खसरा नंबर 459/273 रकबा 25 बीघा भूमि का आवेदन दिनांक 15.6.1966 को किया गया था। प्राथमिकता का कथन है कि आवेदन सुदा भूमि वक्त सेलमेंट में गलती से बाराणी अबल दर्ज हुई है, परन्तु वक्त भूमि कमी काबिल काबल नहीं रही है तथा इससे से ही समयान के काम आ रही है।

उपस्थित- 1. प्राथमिकता अनुपस्थित।
2. विप्रार्थी संख्या 01 उपस्थित। दीगर विप्रार्थी अनुपस्थित।

राजस्व आवेदन पत्र अन्तर्गत नियम 14 (4) राजस्थान में राजस्व (कोषि प्रयोजनार्थ) भूमि का आवेदन, नियम 1970

प्राथमिकता	विवरण	विप्रार्थी संख्या
1.	दलपतसिंह पुत्र हेमसिंह जालि राजपूत	1. कलाराम पुत्र मादाराम
2.	इश्वरराम पुत्र हीराराम जालि	2. कनाराम पुत्र मादाराम
3.	मंगल	3. मानाराम पुत्र मादाराम
4.	मिशाराम पुत्र कनाराम जालि भील	4. जोगाराम पुत्र मादाराम
5.	पुसोहित	5. दानाराम पुत्र मादाराम
6.	निवासी होटल तहसील पधपदा जिला बाड़मेर (राज.)	6. शांतिदेवी पत्नी मादाराम जालि भील निवासी मंगल तहसील पधपदा जिला बाड़मेर (राज.)

राजस्व आवेदन पत्र संख्या 01/2010

न्यायालय अपर कलेक्टर, बाड़मेर कोर्ट कैम्प पधपदा
धीराधीन अधिकारी श्री ओ.पी. विरनाई आर.ए.एम.

की पालना नहीं की है। आवंटियों को खातेदारी अधिकार प्राप्त हो चुकने के पश्चात 1970 के नियम 14(4) प्रभावी नहीं रहते। अतः 1970 के नियम 14 (4) पश्चात के अन्तर्गत केवल खातेदारी अधिकार प्राप्त होने से पूर्व ही कार्यवाही की जा सकती है। खातेदारी अधिकार प्राप्त हो चुकने के बाद आवंटी वे सभी अधिकार हासिल कर लेता है जो उसे राजस्थान कारखाने अधिनियम 1955 के अन्तर्गत प्राप्त होते हैं। अतः खातेदारी अधिकार प्राप्त कर लेने के पश्चात नियम 14 (4) 1970 के अन्तर्गत कार्यवाही नहीं हो सकती। नियम 14 (4) के अन्तर्गत तथ्यों को छिपाते हुए, कपट या दुर्व्यप्रदर्शन के द्वारा आवंटन किया गया हो अथवा आवंटन शर्तों की पालना नहीं की हो तो उसे रद्द किया जा सकता है। प्रार्थनागत प्रकरण में विप्रार्थी संख्या 01 से 05 के पिन एवं विप्रार्थी संख्या 06 के पिन द्वारा आवंटन आदेश की शर्तों की पालना नहीं करने का तथ्य साबित नहीं कर पाये एवं न ही किसी प्रकार की विधिक रूढ़ि साबित कर पाये है। अतः प्रार्थनागत प्रकरण में गलत आवंटन को साबित करने में असमर्थ रहने से नियम 14(4) का प्रकरण नहीं बनना प्रकट होता है।

4. उपरोक्त विवेचन के फलस्वरूप हरनागल प्रकरण में भी आवंटन निरस्त करने के कोई ठोस आधार नहीं होने से प्रार्थनागत का आवंटन पत्र खारिज किया जाता है।



अपर कलक्टर, बाड़मेर
(प.डी.एम.)
अपर कलक्टर बाड़मेर

—

निपुण केम कोर्ट परामर्श में आज दिनांक 14.6.2017 को सुनाया गया।

अपर कलक्टर, बाड़मेर
(प.डी.एम.)
ओ.पी.विश्वनाई

—